|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| [View this email in your browser](https://mailchi.mp/de404299dae5/extra-bericht?e=00af6697fc" \t "_blank)  |

 |

 |

 |
|  |
|

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

 |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Aan:    de parochianen in Zeeuws-VlaanderenVan:    pastoraal team en parochiebesturen van de parochie H. Maria Sterre der Zee, Elisabeth-parochie en parochie H. Andreas Betreft: aanpassingen coronamaatregelen. Beste parochianen, De afgelopen weken heeft ons demissionaire kabinet twee keer een persconferentie gehouden met aanscherpingen van de coronamaatregelen. Dit heeft ook gevolgen voor de maatregelen in onze kerken. Een aantal coronamaatregelen die eerder al golden worden opnieuw toegepast. Gelovigen worden gevraagd tijdens vieringen en andere kerkelijke bijeenkomsten  anderhalve meter afstand te houden en een mondkapje te dragen bij verplaatsingen in de ruimte. Daarnaast blijven de basisregels gelden op het gebied van hygiëne en ventilatie. Helaas hebben we het aantal beschikbare plaatsen in de kerken opnieuw moeten terugbrengen. Dat geeft het bekende totaalplaatje:- maximum aantal gelovigen in alle (weekend- en uitvaart-)vieringen (zie tabel onderaan de brief);- handen ontsmetten bij binnenkomst en bij de communie-uitreiking;- mondkapje dragen bij bewegingen door de kerk;- anderhalve meter afstand houden;- verplichte looproutes;- geen hand geven bij de vredewens;- communie-uitreiking met pincet van achter het kuchscherm;- collectes bij de uitgang. De dringende vraag om verantwoordelijkheid te nemen en thuis te blijven met klachten die kunnen wijzen op corona blijft natuurlijk gehandhaafd. Voorlopig blijft volkszang nog toegestaan en mogen ook koren blijven zingen. Maar koren wordt nadrukkelijk aangeraden om alleen te repeteren in grote ruimtes waar voldoende geventileerd kan worden. Ook voor het zingen tijdens de vieringen geldt dat er goed geventileerd moet kunnen worden en dat koorleden, net als de andere aanwezigen, onderling tenminste anderhalve meter afstand houden en in zigzag-opstelling. Het aantal koorleden dat kan zingen is daardoor afhankelijk van de beschikbare ruimte. Verder gelden voor repetities die niet in een kerk plaatsvinden, de regels voor koorrepetities van de overheid. De bisschoppen houden er rekening mee dat de komende tijd verdere aanscherping van de coronamaatregelen nodig zal blijken. We houden er rekening mee dat het maximum aantal ook voor de Kerstvieringen van toepassing zal zijnen dat op verschillende locaties reservering noodzakelijk zal zijn. De bisschoppen vragen aan alle gelovigen, gevaccineerd en niet-gevaccineerd, om respectvol met elkaar om te blijven gaan en waar mogelijk met de nodige coulance. Want dat is natuurlijk de basis voor een veilig samenkomen, nu en in de toekomst. En niet vergeten: Laten we letten op én zorgen voor elkaar!   Namens het pastoraal team en parochiebesturen,pastoor W. Wiertz

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **Parochie H. Andreas** |   | **Elisabeth-parochie** |   | **H. Maria Sterre der Zee** |
| Aardenburg | 60 |   | Philippine | 75 |   | Boschkapelle | 40 |
| Oostburg | 54 |   | Terneuzen | 70 |   | Clinge | 45 |
| IJzendijke | 26 |   | Zuiddorpe | 40 |   | Hengstdijk | 45 |
| Breskens | 30 |   |   |   |   | Heikant | 45 |
| Schoondijke | 30 |   |   |   |   | Hulst | 100 |
| Biervliet | 30 |   |   |   |   | Kloosterzande | 55 |
|   |   |   |   |   |   | Koewacht | 55 |
|   |   |   |   |   |   | Lamswaarde | 33 |
|   |   |   |   |   |   | Nieuw Namen | 64 |

 **Aanmelden voor de vieringen in de Emmaüskerk te Terneuzen is opnieuw noodzakelijk, te beginnen voor de viering op 28 november 2021. U kunt zich vanaf maandag 22 november a.s. aanmelden voor de eerstvolgende zondagsviering bij de bureaumedewerkers van de Emmaüskerk. Zij zijn bereikbaar op werkdagen van 10.00 tot 12.00 uur via telefoonnummer 0115-612327.**     |

 |

 |

 |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| Copyright © 2021 Elisabethparochie, All rights reserved.You are receiving this email because you opted in via our website.**Ons adres:**ElisabethparochieAlberdingk Thijmstraat 2TERNEUZEN, Zeeland 4532 CZ Netherlands[Add us to your address book](https://eparochie.us7.list-manage.com/vcard?u=97a4720ad611621015c6d99f9&id=8ea305bfe1)Want to change how you receive these emails?**U kunt**[uw](https://eparochie.us7.list-manage.com/profile?u=97a4720ad611621015c6d99f9&id=8ea305bfe1&e=00af6697fc&c=9446650f0f)[gegevens updaten](https://eparochie.us7.list-manage.com/profile?u=97a4720ad611621015c6d99f9&id=8ea305bfe1&e=00af6697fc&c=9446650f0f)**of**[uitschrijven van de mailingslijst](https://eparochie.us7.list-manage.com/unsubscribe?u=97a4720ad611621015c6d99f9&id=8ea305bfe1&e=00af6697fc&c=9446650f0f)**.**Email Marketing Powered by Mailchimp |

 |

 |

 |

 |

 |

